

Padma Bhushan



SHRI HORMUSJI N. CAMA

Shri Hormusji N. Cama is the Chairman and the Managing Director of the Mumbai Samachar, Asia's oldest newspaper in any language and has been instrumental in the promotion and spread of Indian languages and in particular Gujarati, the language of the Mumbai Samachar.

2. Born on 13th February, 1961, Shri Cama received his Bachelor of Science Degree from the University of Mumbai. In and around 1982, he was instrumental in designing Gujarati fonts for computers with a British Company Linotype, and was instrumental in getting computer keyboards made in the Gujarati script to enable photo type setting in the Gujarati language, and subsequent printing on the then modern technology of using photo-polymer printing plates instead of traditional cast iron plates in use at that time.

3. Shri Cama believes that reading a newspaper being one of the first morning activities of people, should bring a smile on the face of the reader and the news should give the reader a feel good factor. He has chaired The Press Trust of India, Indian Newspaper Society, Audit Bureau of Circulations, Media Research Users Council, Readership Studies Council of India, Commonwealth Press Union India Chapter, and has been a nominated member of the Press Council of India for nine years.

4. Shri Cama has been the recipient of numerous awards and honours for his contribution to promotion of Indian languages and has been particularly active in encouraging reading habits of people by holding Gujarati book fairs, encouraging Gujarati authors by distributing their books and sponsoring Gujarati plays thereby spreading the use of the language.

पद्म भूषण



श्री होरमसजी एन. कामा

श्री होरमसजी एन. कामा किसी भी भाषा में एशिया के सबसे पुराने समाचार पत्र मुंबई समाचार के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं और उन्होंने भारतीय भाषाओं तथा विशेष रूप से मुंबई समाचार की गुजराती भाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

2. दिनांक 13 फरवरी, 1961 को जन्मे श्री कामा ने मुंबई विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक की डिग्री प्राप्त की । वर्ष 1982 और उसके आस-पास, उन्होंने ब्रिटिश कंपनी लिनोटाइप के साथ कंप्यूटरों के लिए गुजराती फॉन्ट्स को डिजाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और गुजराती भाषा में फोटो टाइप सेटिंग को संभव बनाने के लिए गुजराती लिपि में कंप्यूटर की-बोर्ड तैयार करवाने और उसके बाद उस समय उपयोग में लाई जाने वाली पारंपरिक कास्ट आइरन प्लेटों के बजाय फोटो-पॉलिमर प्रिंटिंग प्लेटों का उपयोग करने की तत्कालीन आधुनिक तकनीक द्वारा प्रिंटिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

3. श्री कामा का मानना है कि समाचार पत्र पढ़ना लोगों के सुबह के कार्यों में से एक है, इसलिए इसे पढ़ते हुए पाठक के चेहरे पर मुस्कान आनी चाहिए और उसे बेहतर महसूस होना चाहिए । उन्होंने द प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी, ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन, मीडिया रिसर्च यूजर्स काउंसिल, रीडरशिप स्टडीज काउंसिल ऑफ इंडिया, कॉमनवेल्थ प्रेस यूनियन इंडिया चैप्टर की अध्यक्षता की है और नौ वर्षों से भारतीय प्रेस परिषद के एक नामित सदस्य रहे हैं ।

4. श्री कामा को भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं वे तथा गुजराती पुस्तक मेले आयोजित करके, गुजराती लेखकों की पुस्तकों के वितरण और गुजराती नाटकों के प्रायोजन और इस प्रकार भाषा के उपयोग के प्रचार-प्रसार में विशेष रूप से सक्रिय रहे हैं ।